कक्षा : X

हिन्दी

समय : 3 घंटे **पूर्णांक : 80**

Answers to this Paper must be written on the paper provided separately.

You will not be allowed to write during the first 15 minutes.

This time is to be spent in reading the question paper.

The time given at the head of this Paper is the time allowed for writing the answers

This Paper comprises of two sections; ***Section A*** *and* ***Section B.***

Attempt ***All*** *the questions from* ***Section A.***

Attempt any ***four*** *questions from* ***Section B****, answering at least* ***one*** *question each from the* ***two*** *books you have studied and any* ***two*** *other questions.*

The intended marks for questions or parts of questions are given in brackets [ ].

SECTION – A (40 Marks)

Attempt all questions

Q.1 Write a short composition in Hindi of approximately 250 words on any one of the following topics : [15]

निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर हिन्दी में लगभग 250 शब्दों में संक्षिप्त लेख लिखिए :

1. भ्रष्टाचार ने भयानक रोग की तरह हमारे समाज को खोखला कर रहा है इस आधार पर 'भ्रष्टाचार मुक्त समाज' पर अपने विचार प्रकट कीजिए।
2. स्वास्थ्य मानव का अमूल्य धन है इस आधार पर 'स्वास्थ की रक्षा' किस प्रकार की जाए इस विषय पर प्रस्ताव लिखें।

3. आज विज्ञापन हमारी ज़िंदगी का एक अहम हिस्सा बन चुका है इस आधार पर विज्ञापन की दुनिया के हानि-लाभ की चर्चा करते हुए प्रस्ताव लिखें।
4. एक कहानी लिखिए जिसका आधार निम्नलिखित उक्ति हो :
   "मजहब नहीं सिखाता आपस में बैर रखना"
5. नीचे दिये गये चित्र को ध्यान से देखिए और चित्र को आधार बनाकर वर्णन कीजिए अथवा कहानी लिखिए, जिसका सीधा व स्पष्ट संबंध चित्र से होना चाहिए।

Q.2 Write a letter in Hindi in approximately 120 Words on any one of the topics given below: [7]

निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर हिन्दी में लगभग 120 शब्दों में पत्र लिखिए :

1. परीक्षा में असफल होने पर मित्र को सांत्वना पत्र लिखिए।
2. अपने मुहल्ले में बढ़ती गंदगी के बारे में शिकायत करते हुए स्वास्थ्य अधिकारी को पत्र लिखिए :

Q.3 Read the passage given below and answer in Hindi the questions that follow, using your own words as far as possible : [10]

निम्नलिखित गद्यांश को ध्यान से पढ़िए तथा उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए। उत्तर यथासंभव आपके अपने शब्दों में होने चाहिए :

चंद्रशेखर आज़ाद का जन्म 23 जुलाई, 1906 को एक आदिवासी ग्राम भाबरा में हुआ था। काकोरी ट्रेन डकैती और साण्डर्स की हत्या में सम्मिलित निर्भीक महान देशभक्त व क्रांतिकारी चंद्रशेखर आज़ाद का नाम भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के इतिहास में अहम् स्थान रखता है।

आज़ाद बचपन में महात्मा गांधी से प्रभावित थे। मां जगरानी से काशी में संस्कृत पढ़ने की आज्ञा लेकर घर से निकले। दिसंबर 1921 गांधी जी के असहयोग आंदोलन का आरम्भिक दौर था, उस समय मात्र चौदह वर्ष की आयु में बालक चंद्रशेखर ने इस आंदोलन में भाग लिया।

चंद्रशेखर गिरफ्तार कर लिए गए और उन्हें मजिस्ट्रेट के समक्ष उपस्थित किया गया। चंद्रशेखर से उनका नाम पूछा गया तो उन्होंने अपना नाम आज़ाद, पिता का नाम स्वतंत्रता और घर 'जेलखाना' बताया। उन्हें अल्पायु के कारण कारागार का दंड न देकर 15 कोड़ों की सजा हुई। हर कोड़े की मार पर, 'वन्दे मातरम्' और 'महात्मा गाँधी की जय' का उच्च उद्घोष करने वाले बालक चन्द्रशेखर सीताराम तिवारी को इस घटना के पश्चात् सार्वजनिक रूप से चंद्रशेखर 'आज़ाद' कहा जाने लगा।

1. चंद्रशेखर आज़ाद का जन्म कब और कहाँ हुआ था?
2. चंद्रशेखर आज़ाद बचपन में किस से प्रभावित थे? दिसंबर 1921 में आज़ाद कौन-से आंदोलन में सहभागी हुए?
3. चंद्रशेखर गिरफ्तार हुए तब उन्होंने मजिस्ट्रेट के समक्ष अपना परिचय कैसे दिया?
4. चंद्रशेखर को मजिस्ट्रेट ने क्या सज़ा सुनाई?
5. चंद्रशेखर को गिरफ्तार के किसके समक्ष उपस्थित किया गया?

Q.4 Answer the following according to the instructions given:

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर निर्देशानुसार लिखिए :

1. निम्नलिखित शब्दों से विशेषण बनाइए : [1]

- दिन
- माया

2. निम्नलिखित शब्दों में से किसी दो शब्दों के पर्यायवाची शब्द लिखिए : [1]
   - भाग्य
   - पवित्र

3. निम्नलिखित शब्दों में से किन्हीं दो शब्दों के विपरीतार्थक शब्द लिखिए : [1]
   - साकार
   - क्षणिक
   - विस्तृत
   - कीर्ति

4. निम्नलिखित रिक्त स्थानों में उचित मुहावरा शब्द का प्रयोग करें : [1]
   i. चार-चार रुपए में तो ये कलम ____________ के मोल बिक रहे हैं। (मिट्टी/पत्थर)
   ii. जलेबियों को देखकर रामनारायण के ___________ में पानी भर आया। (आँख/मुँह)

5. भाववाचक संज्ञा बनाइए। [1]
   - एक
   - उड़ना

6. कोष्ठक में दिए गए निर्देशानुसार वाक्यों में परिवर्तन कीजिए : [3]
   1. उसे अपने धर्म का अंग समझो। ('आप' का उपयोग कीजिए।)
   2. इन फूलों का रंग कितना निराला है। (वचन बदलिए।)
   3. शिवाजी महाराज के साहस की <u>तुलना नहीं की जा सकती</u>। (रेखांकित शब्दों के स्थान पर एक शब्द का प्रयोग कीजिए।)

SECTION - B (40 Marks)

Attempt four questions from this section.

You must answer at least **one** question from each of **two** books you have studied and any **two** other questions.

साहित्य सागर

गद्य

Q.5 Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow:

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए :

बेनी माधव बाहर से आ रहे थे। दोनों भाईयों को गले मिलते देखकर आनंद से पुलकित हो गए और बोल उठे, बड़े घर की बेटियाँ ऐसी ही होती हैं। बिगड़ता हुआ काम बना लेती हैं।"

पाठ - बड़े घर की बेटी

लेखक - प्रेमचंद

1. आनंदी की शिकायत का क्या परिणाम हुआ? [2]
2. आनंदी को अपनी बात का पछतावा क्यों हुआ? [2]
3. बेनी माधव ने ने आनंदी को बड़े घर की बेटी क्यों कहा? [3]
4. 'बड़े घर की बेटी' कहानी का उद्देश्य स्पष्ट करें। [3]

Q.6 Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow:

निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए तथा उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए :

"तुमसे अपराध होगा? यह क्या कह रही हो? मैं रोता हूँ, इसमें मेरी ही भूल है। प्रायश्चित करने का यह ढंग नहीं, यह मैं धीरे-धीरे समझ रहा हूँ, किंतु करूँ क्या? यह मन नहीं मानता।"

पाठ - संदेह

लेखक - जयशंकर प्रसाद

1. उपर्युक्त अवतरण के वक्ता तथा श्रोता का परिचय दें। [2]

2. श्रोता के वक्ता के बारे में क्या विचार हैं? [2]
3. क्या वाकई में वक्ता से कोई अपराध हो गया था? [3]
4. रामनिहाल के रोने का कारण क्या है? [3]

Q 7 Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow:
निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए :

पर बतलाने वालों ने बताया कि गरीब के मुँह पर छाती, मुट्ठियों और पैरों पर बर्फ की हल्की-सी चादर चिपक गई थी, मानो दुनिया की बेहयाई ढँकने के लिए प्रकृति ने शव के लिए सफ़ेद और ठंडे कफ़न का प्रबंध कर दिया था।

पाठ - अपना अपना भाग्य

लेखक - जैनेंद्र कुमार

1. यहाँ पर गरीब किसे और क्यों संबोधित किया गया है? [2]
2. लड़के की मृत्यु का क्या कारण था? [2]
3. 'दुनिया की बेहयाई ढँकने के लिए प्रकृति ने शव के लिए सफ़ेद और ठंडे कफ़न का प्रबंध कर दिया था' - इस पंक्ति का आशय स्पष्ट कीजिए। [3]
4. 'अपना अपना भाग्य' कहानी के उद्देश्य पर विचार कीजिए। [3]

साहित्य सागर

पद्य

Q.8 Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow:
निम्नलिखित पद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए :

कलेजा माँ का, मैं संतान
करेगी दोषों पर अभिमान।
मातृ-वेदी पर हुई पुकार,
चढ़ा दो मुझको, हे भगवान।।
सुनूँगी माता की आवाज़
रहूँगी मरने को तैयार

कभी भी उस वेदी पर देव,
न होने दूँगी अत्याचार।
न होने दूँगी अत्याचार
चलो, मैं हो जाऊँ बलिदान।
मातृ-मंदिर में हुई पुकार, चढ़ा दो मुझको हे भगवान।

कविता - मातृ मंदिर की ओर
कवि - सुभद्रा कुमारी चौहान

1. 'कलेजा माँ का, मैं संतान करेगी दोषों पर अभिमान।' - का आशय स्पष्ट कीजिए। [2]
2. कवयित्री किसके लिए तैयार है? [2]
3. कवयित्री किस पथ पर बढ़ना चाहती है? [3]
4. शब्दार्थ लिखिए : [3]
   - अत्याचार
   - मातृ-मंदिर
   - बलिदान
   - संतान
   - पुकार
   - अभिमान

Q.9 Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow :
निम्नलिखित पद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए :

मैं पूर्णता की खोज में
दर-दर भटकता ही रहा
प्रत्येक पग पर कुछ न कुछ
रोडा अटकता ही रहा
निराशा क्यों मुझे?
जीवन इसी का नाम है,

चलना हमारा काम है।
साथ में चलते रहे
कुछ बीच ही से फिर गए
गति न जीवन की रूकी
जो गिर गए सो गिर गए
रहे हर दम,
उसी की सफलता अभिराम है,
चलना हमारा काम है।

कविता - चलना हमारा काम है
कवि - शिवमंगल सिंह 'सुमन'

1. प्रस्तुत कविता में कवि दर-दर क्यों भटकता है? [2]
2. 'जीवन इसी का नाम है से क्या तात्पर्य है? [2]
3. जो गिर गए सो गिर गए रहे हर दम, उसी की सफलता अभिराम है,चलना हमारा काम है।' पंक्ति का आशय स्पष्ट करें। [3]
4. शब्दार्थ लिखिए : [3]
   - रोड़ा
   - निराशा
   - अभिराम
   - गति
   - जीवन
   - निराशा

Q.10 Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow :
निम्नलिखित पद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए :

रहिए लटपट काटि दिन, बरु घामे माँ सोय।
छाँह न बाकी बैठिये, जो तरु पतरो होय॥
जो तरु पतरो होय, एक दिन धोखा देहैं।
जा दिन बहै बयारि, टूटि तब जर से जैहैं॥

कह गिरिधर कविराय छाँह मोटे की गहिए।
पाती सब झरि जायँ, तऊ छाया में रहिए॥

पानी बाढ़ै नाव में, घर में बाढ़े दाम।
दोऊ हाथ उलीचिए, यही सयानो काम॥
यही सयानो काम, राम को सुमिरन कीजै।
पर-स्वारथ के काज, शीश आगे धर दीजै॥
कह गिरिधर कविराय, बड़ेन की याही बानी।
चलिए चाल सुचाल, राखिए अपना पानी॥

राजा के दरबार में, जैये समया पाय।
साँई तहाँ न बैठिये, जहँ कोउ देय उठाय॥
जहँ कोउ देय उठाय, बोल अनबोले रहिए।
हँसिये नहीं हहाय, बात पूछे ते कहिए॥
कह गिरिधर कविराय समय सों कीजै काजा।
अति आतुर नहिं होय, बहुरि अनखैहैं राजा॥

कविता - गिरिधर की कुंडलियाँ
कवि - गिरिघर कविराय

1. कैसे पेड़ की छाया में रहना चाहिए और कैसे पेड़ की छाया में नहीं? [2]
2. 'पानी बाढ़ै नाव में, घर में बाढ़े दाम। दोऊ हाथ उलीचिए, यही सयानो काम॥' - पंक्ति का आशय स्पष्ट कीजिए। [2]
3. कवि कैसे स्थान पर न बैठने की सलाह देते हैं? [3]
4. शब्दार्थ लिखिए : [3]
   - बयारि
   - घाम
   - जर
   - दाय

- राजा
- तरु

एकांकी संचय

Q.11 Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow:

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए :

दूर हट दासी। यह नाटक बहुत देख चुका हूँ। उदयसिंह की हत्या ही तो मेरे राजसिंहासन की सीढ़ी होगी।

एकांकी - दीपदान

लेखक - डॉ. रामकुमार वर्मा

1. उपर्युक्त वाक्य का प्रसंग स्पष्ट करें। [2]
2. पन्ना ने कुँवर को सुरक्षित स्थान पर किस तरह पहुँचाया? [2]
3. पन्ना ने क्या बलिदान दिया? [3]
4. प्रस्तुत एकांकी का सार लिखिए। [3]

Q.12 Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow:

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए :

"दहेज़ देना तो दूर, बारात की खातिर भी ठीक से नहीं की गई। मेरे नाम पर जो धब्बा लगा, मेरी शान में जो ठेस पहुँची, भरी बिरादरी में जो हँसी हुई, उस करारी चोट का घाव आज भी हरा है। जाओ, कह देना अपनी माँ से कि अगर बेटी को विदा कराना चाहती है तो पहले उस घाव के लिए मरहम भेजे।"

एकांकी - बहू की विदा

लेखक - विनोद रस्तोगी

1. प्रस्तुत कथन किसने, किससे कहा? संदर्भ सहित उत्तर लिखिए। [2]
2. 'मरहम' का क्या अर्थ है? यहाँ मरहम से क्या तात्पर्य है? स्पष्ट कीजिए। [2]

3. वक्ता के चरित्र की विशेषताएँ लिखिए। [3]
4. प्रस्तुत एकांकी में किस समस्या को उठाया गया है? उस समस्या को दूर करने के लिए क्या-क्या कदम उठाए जा रहे हैं? अपने विचार दीजिए। [3]

Q.13 Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow:
निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए :
कह नहीं सकता संजय किसके पापों का परिणाम है, किसकी भूल थी जिसका भीषण विष फल हमें मिला। ओह ! क्या पुत्र-मोह अपराध है, पाप है? क्या मैंने कभी भी...कभी भी..

एकांकी - महाभारत की एक साँझ
लेखक - भारत भूषण अग्रवाल

1. उपर्युक्त अवतरण के वक्ता कौन है? उनका परिचय दें। [2]
2. यहाँ पर श्रोता कौन है? वह वक्ता को क्या सलाह देता है और क्यों? [2]
3. यहाँ पर भीषण विष फल किस ओर संकेत करता है स्पष्ट कीजिए। [3]
4. पुत्र-मोह से क्या तात्पर्य है? [3]

नया रास्ता
(सुषमा अग्रवाल)

Q.14. Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow:
निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए :
तभी बारात में आए एक नवयुवक ने उसकी आवाज की प्रशंसा करते हुए कहा, “आपकी आवाज बहुत मधुर है, क्या सुंदर गीत सुनाया है आपने।” मीनू ने जैसे ही सिर उठाकर ऊपर की ओर देखा, तो वह आश्चर्यचकित हो उठी। अरे ! ये तो वही लड़का है अमित है। जो मेरठ उसे देखने आया था। उसके मुँह से अपनी प्रशंसा सुनने के बाद उसके हृदय में कोई प्रसन्नता की अनुभूति नहीं हुई।

1. नवयुवक कौन है? [2]
2. मीनू उस नवयुवक को देखकर क्यों चौंक गई? [2]
3. मीनू अपनी प्रशंसा सुनकर खुश क्यों नहीं हुई? [3]
4. उसकी भावनाओं को ठेस पहुँचाई - स्पष्ट कीजिए। [3]

Q.15. Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow:

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए :

तभी नीलिमा ने मीनू को शादी के बारे में पूछ लिया, "मीनू, तू शादी नहीं कर रही है अभी? मैंने सुना है आशा का रिश्ता हो गया है।"

"हाँ नीलिमा! आशा का रिश्ता हो गया है। लड़का इंजीनियर है। घर भी अच्छा है।"

"पर मीनू, तू शादी के लिए तैयार क्यों नहीं है?" "नीलिमा ने पूछा।

"नीलिमा, अब मैं कुछ निराश सी हो गई हूँ। कौन करेगा मुझसे शादी?"

1. नीलिमा कौन है? वह मीनू को राय क्यों दे रही है? [2]
2. शादी के नाम से मीनू उदास क्यों हो जाती है? [2]
3. नीलिमा उसकी शादी के लिए उत्साहित क्यों है? [3]
4. "कौन करेगा मुझसे शादी?" भाव स्पष्ट कीजिए। [3]

Q.16 Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow :

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए :

दूसरे दिन प्रात: होते ही दयाराम जी के घर में मेहमानों के स्वागत के लिए विभिन्न प्रकार की तैयारियाँ प्रारंभ हो गई थीं। घर की सारी चीजें झाड़-पोंछकर यथा-स्थान लगा दी गई थीं। एक मध्यम श्रेणी की हैसियत के अनुसार बैठक को विशेष रूप से सुसज्जित किया गया।

1. प्रस्तुत पंक्तियों में कौन किसके घर आ रहा है? [2]
2. आनेवाले मेहमान को विशेष महत्त्व क्यों दिया जा रहा है? [2]

3. “विभिन्न प्रकार की तैयारियाँ....” विशिष्ट संदर्भ में स्पष्ट कीजिए। [3]

4. आनेवाले मेहमान से परिवार के लोगों को क्या उम्मीद है? [3]

Solution

Answers to this Paper must be written on the paper provided separately.

You will not be allowed to write during the first 15 minutes.

This time is to be spent in reading the question paper.

The time given at the head of this Paper is the time allowed for writing the answers

*This Paper comprises of two sections; **Section A** and **Section B.***

*Attempt **All** the questions from **Section A.***

*Attempt any **four** questions from **Section B**, answering at least **one** question each from the **two** books you have studied and any **two** other questions.*

The intended marks for questions or parts of questions are given in brackets [ ].

SECTION – A (40 Marks)

Attempt all questions

Q.1 Write a short composition in Hindi of approximately 250 words on any one of the following topics : [15]

निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर हिन्दी में लगभग 250 शब्दों में संक्षिप्त लेख लिखिए :

1. भ्रष्टाचार ने भयानक रोग की तरह हमारे समाज को खोखला कर रहा है इस आधार पर 'भ्रष्टाचार मुक्त समाज' पर अपने विचार प्रकट कीजिए।

   भ्रष्टाचार अर्थात् भ्रष्ट + आचार। भ्रष्ट यानी बुरा या बिगड़ा हुआ तथा आचार का मतलब है आचरण। अर्थात् भ्रष्टाचार का शाब्दिक अर्थ है भ्रष्ट किसी भी प्रकार से अनैतिक और अनुचित हो। आज भारत में ऐसे कई व्यक्ति मौजूद हैं जो भ्रष्टाचारी है।

आज हम अपने चारों ओर भ्रष्टाचार के अनेक रुप देख सकते हैं जैसे रिश्वत, काला-बाजारी, जान-बूझकर दाम बढ़ाना, पैसा लेकर काम करना, सस्ता सामान लाकर महँगा बेचना आदि।

'भ्रष्ट्राचार की लगी अगन है,
जिसने कर दिया मूल्यों का दहन है।'

भ्रष्टाचार ने भयानक रोग की तरह हमारे समाज को खोखला कर दिया है। आज के आधुनिक युग में व्यक्ति का जीवन अपने स्वार्थ तक सीमित होकर रह गया है। प्रत्येक कार्य के पीछे स्वार्थ प्रमुख हो गया है। असमानता, आर्थिक, सामाजिक या सम्मान, पद-प्रतिष्ठा के कारण भी व्यक्ति अपने आपको भ्रष्ट बना लेता है। भारत के अंदर तो भ्रष्टाचार का फैलाव दिन-भर-दिन बढ़ रहा है।

भ्रष्ट्राचार को तीन प्रमुख वर्गों में विभक्त कर सकते हैं : राजनीतिक, प्रशासनिक और व्यावहारिक। आज सरकारी व गैरसरकारी विभाग से लेकर शिक्षा के मंदिर माने जाने वाले स्कूल व कॉलेज भी इस भ्रष्टाचार से अछूते नहीं है। भ्रष्टाचार हमारे नैतिक जीवन मूल्यों पर सबसे बड़ा प्रहार है।

भ्रष्टाचार के कारण भारतीय संस्कृति का पतन हो रहा है। भ्रष्टाचार दूर करने के लिए हमें शिक्षण द्वारा व्यक्ति के मनोबल को उँचा उठाना होगा। सबके लिए उचित रोज़गार की तक उपलब्ध करानी होगी। समाज में विभिन्न स्तरों पर फैले भ्रष्टाचार को रोकने के लिए कठोर दंड-व्यवस्था उपलब्ध करानी चाहिए। प्रत्येक व्यक्ति को अपने कर्तव्यों का निर्वाह करते हुए अपने को इस भ्रष्टाचार से बाहर निकालना होगा। हमें प्रशासन व शासन की व्यवस्था को पूरी तरह स्वच्छ व पारदर्शी बनाना होगा।

2. स्वास्थ्य मानव का अमूल्य धन है इस आधार पर 'स्वास्थ की रक्षा' किस प्रकार की जाए इस विषय पर प्रस्ताव लिखें।
   स्वास्थ्य मानव का अमूल्य धन है। स्वस्थ शरीर में ही स्वस्थ मस्तिष्क निवास करता है। शरीर को चुस्त, फुर्तीला और स्वस्थ रखने के लिए व्यायाम आवश्यक है। मनुष्य के जीवन में आरंभ से ही व्यायाम का

महत्त्व रहा है। व्यायाम से जहाँ स्वास्थ्य बढ़ता है, वहीं शारीरिक सुंदरता भी बढ़ती है। मनुष्य को चाहिए कि वह नियमित रूप से व्यायाम करे। ऐसा करने से शरीर में रक्त-संचार सही रहता है, स्फूर्ति तथा उत्साह भी बढ़ता है। इसके साथ ही मनुष्य को अपने आहार, खान-पान में भी ध्यान रखना चाहिए। उसे चाहिए कि वह रोज संतुलित भोजन करे। उसके आहार में सभी पोषक तत्व हो। भोजन में यदि पोषक तत्व न होगें तो हमारा शारीरिक और मानसिक विकास बाधित होता है। वैसे भी कहा जाता है जैसा हम भोजन करते हैं हम वैसा बनते हैं। इसलिए प्रत्येक मनुष्य को खान-पान और आहार के साथ नियमित व्यायाम करते हुए अपने स्वास्थ्य की और ध्यान देना चाहिए।

3. आज विज्ञापन हमारी ज़िंदगी का एक अहम हिस्सा बन चुका है इस आधार पर विज्ञापन की दुनिया के हानि-लाभ की चर्चा करते हुए प्रस्ताव लिखें।

आज के युग में विज्ञापनों का महत्त्व स्वयंसिद्ध है। आज विज्ञापन हमारी ज़िंदगी का एक अहम हिस्सा बन चुका है, सुबह आँख खुलते ही अख़बार में सबसे पहले नज़र विज्ञापन पर ही जाती है। जूते से लेकर रूमाल तक हर चीज विज्ञापित हो रही है। विज्ञापन अपने छोटे से संरचना में बहुत कुछ समाए होते है। वह बहुत कम बोलकर भी बहुत कुछ कह जाते है। विज्ञापन एक कला है। विज्ञापन का मूल तत्व यह माना जाता है कि जिस वस्तु का विज्ञापन किया जा रहा है उसे लोग पहचान जाएँ और उसको अपना लें। निर्माता कंपनियों के लिए यह लाभकारी है। विज्ञापन अनेक प्रकार के होते हैं। सामाजिक व्यावसायिक आदि।

विज्ञापन के लाभ की बात करें तो हम यह कह सकते हैं कि आज विज्ञापन ने हमारे जीवनस्तर को ही बदल डाला है। आज विज्ञापन के लिए विज्ञापनगृह एवं विज्ञापन संस्थाएँ स्थापित हो गई हैं। इस प्रकार इसका क्षेत्र विस्तृत होता चला गया। कोई भी विज्ञापन टीवी पर प्रसारित होते ही वह हमारे जेहन में छा जाता है और हम उस उत्पाद के प्रति खरीदने को लालयित हो जाते है।बाज़ार में आई नई वस्तु की जानकारी देता है। परंतु

इस विज्ञापन पर होनेवाले खर्च का बोझ अप्रत्यक्ष रुप से खरीददार पर ही पड़ता है। विज्ञापन के द्वारा उत्पाद का इतना प्रचार किया जाता है कि लोगों द्वारा बिना सोचे-समझे उत्पादों का अंधाधुंध प्रयोग किया जा रहा है। इन विज्ञापनों में सत्यता लाने के लिए बड़े-बड़े खिलाड़ियों और फ़िल्मी कलाकारों को लिया जाता है। हम इन कलाकारों की बातों को सच मानकर अपना पैसा पानी की तरह बहाते हैं। विज्ञापन हमारी सहायता अवश्य कर सकते हैं परन्तु कौन-सा उत्पाद हमारे काम का है या नहीं ये हमें तय करना चाहिए।

विज्ञापन से अनेक लोगों को रोजगार भी मिलता है। यह रोजगार एक विज्ञापन की शूटिंग में स्पॉट ब्वायज से लेकर बाजार में सेल्समेन तक उपलब्ध हो जाता है। अगर कोई कंपनी बाहरी देशों के लिए विज्ञापन बनाती है तो उसे विदेशी मुद्रा प्राप्त होती है जिससे देश की विदेशी मुद्रा कोष में इजाफा होता है और देश की आर्थिक स्थिति बेहतर बनती है। विज्ञापन के लाभ व हानि दोनों है। यह हम पर निर्भर करता है कि हम उसका लाभ किस तरह ले और हानि से कैसे बचे।

4. एक कहानी लिखिए जिसका आधार निम्नलिखित उक्ति हो :
“मजहब नहीं सिखाता आपस में बैर रखना”

“मजहब नहीं सिखाता आपस में बैर रखना”

यह कवि इकबाल द्वारा लिखी गई पंक्तियाँ है। यह पंक्तियाँ उन्होंने साम्प्रदायिक सद्भाव को बढ़ाने के उद्देश्य से लिखा था। आज लेकिन परिवेश बदलता जा रहा है। लोग धर्म और जाति के नाम पर इंसानों को आपस में बाँट रहे हैं। बिना वजह दूसरों की बातों में आकर दंगे और फसादों में शामिल होकर स्वयं का ही नुकसान करते हैं।

इसी पर आधारित यह छोटी-सी कहानी है कि एक गाँव में दो मित्र की दोस्ती के बड़े चर्चे थे। उनके नाम थे अमर और असीम। एक हिंदू था और एक मुसलमान। दोनों में बचपन से ही बड़ा प्यार था। उनके घरवालों ने कई बार उनकी दोस्ती पर आपत्ति दिखाई पर इन्होंने किसी की न सुनी।

दोनों बड़े होकर अपने घरवालों का कारोबार सँभालने लगे। एक दिन गाँव में कुछ राजनैतिक कारणों तथा आपसी मतभेद से हिंदू तथा मुसलमानों में मनमुटाव हो गया। लोग एक दूसरे के खून के प्यासे हो गए। अचानक किसी ने अली के घर आग लगा दी। अमर ने जैसे ही सुना वह अपने दोस्त की मदद के लिए भागा परंतु सभी ने उसे रोकने का प्रयास किया कि यदि वह वहाँ जाएगा तो वे लोग तुम्हें मार देंगे। लेकिन अमर ने किसकी नहीं सुनी और अली के घर, परिवार और सामान को जलने से बचा दिया। फिर दोनों ने मिलकर गाँव वालों को समझाया कि - 'मजहब नहीं सिखाता आपस में बैर रखना'।

दुनिया के सभी मजहब आपस में प्यार मोहब्बत और भाई चारे की शिक्षा देते है। सभी धर्मग्रंथ भी मानवता और आपसी प्यार की ही शिक्षा देते हैं। दान-धर्म एवं जरूरत मंदों की सहायता करना मानो यह तो सभी धर्मों का संदेश है। प्रत्येक व्यक्ति को अपने-अपने धार्मिक रीति-रिवाजों का पालन करना चाहिए परंतु हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि हमारा देश धर्म निरपेक्ष लोकतांत्रिक सिद्धांत का पालन करते हुए सभी मतों का आदर एवं सन्मान करता है। आज विश्व में धर्म के नाम पर खून खराबा हो रहा है। कुछ लोग अपने व्यक्तिगत एवं राजनैतिक फायदे के लिए भोले-भाले लोगों की धार्मिक भावनाओं को आहत करते है।

आज भी हम देश में कई ऐसे स्थान देख सकते हैं जहाँ जाति-पाति को लेकर कोई झगड़ा नहीं है सभी लोग मिलजुलकर एक साथ सभी धर्मों के त्योहार और खुशियों में शामिल होते हैं। हमें इस प्रकार की खबरों को को देश के कोने कोने तक पहुँचाना चाहिए जिससे लोग अपनी संकुचित धार्मिक और जातीय विचारधाराओं से ऊपर उठे और देश के हित में काम करें। और कवि इकबाल की पंक्तियों को हमेशा याद रखें।

5. नीचे दिये गये चित्र को ध्यान से देखिए और चित्र को आधार बनाकर वर्णन कीजिए अथवा कहानी लिखिए, जिसका सीधा व स्पष्ट संबंध चित्र से होना चाहिए।

उपर्युक्त चित्र जनसंख्या विस्फोट से संबंधित है। चित्र में हमें लोग ही लोग दिखाई दे रहे हैं। यहाँ पर धरती लोगों के बोझ तले दब गई है और रो रही है। ये चित्र हमें आने वाले खतरे की ओर संकेत कर रहा है कि यदि इसी तरह जनसंख्या में वृद्धि होती गई तो लोगों की आने वाले दिनों में अनेकों कठिनाईयों का सामना करना पड़ेगा।

बढ़ती हुई जनसँख्या हमारे देश में एक विकराल रूप लेती जा रही है। किसी जी देश की जनसंख्या यदि उस देश के संसाधनों की तुलना में अधिक हो जाती है तो वह देश पर अनचाहा बोझ बन जाती है। जनसंख्या बढ़ने से जीवन की प्राथमिक आवश्यकताएँ - भोजन, वस्त्र और मकान भी पूरे नहीं पड़ते।

बढ़ती हुई जनसँख्या किस तरह से संसाधनों को निगलती जा रही है इसका सबसे बड़ा उदाहरण है बढ़ती हुई महँगाई। बढ़ती जनता को रोजगार देने के लिए, जंगलों को खत्म करने के बाद बढता औद्योगिकरण अब हमारे गाँव में पैर पसार रहा है! फलस्वरूप कम्पनियों की फैक्ट्रियों अब गाँव की शुद्ध जलवायु में जहर घोल रही है वहाँ की उपजाऊ जमीन पर बसी फैक्ट्री अब गेहूँ के दाने नहीं वो काँच के गोलियाँ पैदा कर रही है! आबादी बढ़ने से

स्थिति और भी अधिक भयावह हो जाएगी, तब जलापूर्ति, आवास, परिवहन, गंदे पानी का निकास, बेरोजगारी का अतिरिक्त भार, महँगाई, बिजली जैसी आधारभूत संरचना पर अत्यधिक दबाव पड़ता नजर आएगा। सरकार को चाहिए कि वो कुछ गंभीर और सख्त नियम बनाए। जिससे जनसँख्या नियंत्रित की जा सके। आज जनसंख्या के मामले मे राष्ट्र को सही शिक्षा देने की सबसे ज्यादा जरूरत है क्योंकि शिक्षा, राष्ट्र की सबसे सस्ती सुरक्षा मानी जाती रही है। जन जागरण अभियान, पुरुष नसबंदी, गर्भ निरोधक गोलियाँ, देर से विवाह जनसंख्या को रोकने के उपाय है।

Q.2 Write a letter in Hindi in approximately 120 Words on any one of the topics given below: [7]

निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर हिन्दी में लगभग 120 शब्दों में पत्र लिखिए :

1. परीक्षा में असफल होने पर मित्र को सांत्वना पत्र लिखिए।

   नरेश शर्मा
   12-बी, जवाहर नगर
   दिल्ली - 110007

   प्रिय सागर
   नमस्ते
   तुम्हारा पत्र मिला। पत्र पढ़कर बहुत दुख हुआ, मैं सपने में भी नहीं सोच सकता था कि तुम जैसा मेधावी छात्र कभी परीक्षा में असफल होगा। अब अफ़सोस करने से अच्छा है कि तुम अधिक परिश्रम करो। बीते समय पर पछताना व्यर्थ है। ठोकर पाकर ही मनुष्य सभँलता है। असफलता से ही सफलता की ओर बढ़ता है। अपनी दिनचर्या में पढ़ाई का समय बढ़ाओ तथा पढ़ने में मन लगाओ। वार्षिक परीक्षा के लिए समय-सारिणी बनाकर हर विषय पर उचित ध्यान दो।
   मुझे आशा है कि तुम बहुत अच्छे अंक प्राप्त कर सकोगे।
   तुम्हारा मित्र
   नरेश

2. अपने मुहल्ले में बढ़ती गंदगी के बारे में शिकायत करते हुए स्वास्थ्य अधिकारी को पत्र लिखिए :

संगीता खरे
45, शिवनेरी
शाहूनगर, खासबाग मैदान
कोल्हापुर
दिनाँक : 10 जुलाई 2015

सेवा में,
स्वास्थ्य अधिकारी
नगर परिषद
कोल्हापुर
विषय : मुहल्ले में बढ़ती गंदगी के बारे में शिकायती पत्र।
माननीय महोदय,
सविनय निवेदन है कि पिछले एक सप्ताह से हमारे मोहल्ले में कूड़ा उठाने वाली गाड़ी नहीं आई है, जिसके कारण सर्वत्र कूड़े के ढेर फैले हुए हैं। भयंकर गंदगी चारों ओर फैली हुई है और दुर्गन्ध के मारे साँस लेना भी दूभर होगया है, साथ ही मच्छरों का प्रकोप भी बढ़ गया है। बरसात के कारण तो स्थिति और भी बुरी हो गई है सारा कूड़ा सड़क तक फ़ैल चूका है।
अतः आपसे निवेदन है कि जितनी जल्दी हो सके हमें इस गंदगी से छुटकारा दिलाएँ।
धन्यवाद
भवदीय
संगीता खरे

Q.3 Read the passage given below and answer in Hindi the questions that follow, using your own words as far as possible : [10]

निम्नलिखित गद्यांश को ध्यान से पढ़िए तथा उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए। उत्तर यथासंभव आपके अपने शब्दों में होने चाहिए :

चंद्रशेखर आज़ाद का जन्म 23 जुलाई, 1906 को एक आदिवासी ग्राम भाबरा में हुआ था। काकोरी ट्रेन डकैती और साण्डर्स की हत्या में सम्मिलित निर्भीक महान देशभक्त व क्रांतिकारी चंद्रशेखर आज़ाद का नाम भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के इतिहास में अहम् स्थान रखता है।

आज़ाद बचपन में महात्मा गांधी से प्रभावित थे। मां जगरानी से काशी में संस्कृत पढ़ने की आज्ञा लेकर घर से निकले। दिसंबर 1921 गांधी जी के असहयोग आंदोलन का आरम्भिक दौर था, उस समय मात्र चौदह वर्ष की आयु में बालक चंद्रशेखर ने इस आंदोलन में भाग लिया।

चंद्रशेखर गिरफ्तार कर लिए गए और उन्हें मजिस्ट्रेट के समक्ष उपस्थित किया गया। चंद्रशेखर से उनका नाम पूछा गया तो उन्होंने अपना नाम आज़ाद, पिता का नाम स्वतंत्रता और घर 'जेलखाना' बताया। उन्हें अल्पायु के कारण कारागार का दंड न देकर 15 कोड़ों की सजा हुई। हर कोड़े की मार पर, 'वन्दे मातरम्' और 'महात्मा गाँधी की जय' का उच्च उद्घोष करने वाले बालक चन्द्रशेखर सीताराम तिवारी को इस घटना के पश्चात् सार्वजनिक रूप से चंद्रशेखर 'आज़ाद' कहा जाने लगा।

1. चंद्रशेखर आज़ाद का जन्म कब और कहाँ हुआ था?

   उत्तर : चंद्रशेखर आज़ाद का जन्म 23 जुलाई, 1906 को एक आदिवासी ग्राम भाबरा में हुआ था।

2. चंद्रशेखर आज़ाद बचपन में किस से प्रभावित थे? दिसंबर 1921 में आज़ाद कौन-से आंदोलन में सहभागी हुए?

   उत्तर : चंद्रशेखर आज़ाद बचपन में महात्मा गांधी से प्रभावित थे। दिसंबर 1921 गांधी जी के असहयोग आंदोलन का आरम्भिक दौर था, उस समय मात्र चौदह वर्ष की आयु में बालक चंद्रशेखर ने इस आंदोलन में भाग लिया।

3. चंद्रशेखर गिरफ्तार हुए तब उन्होंने मजिस्ट्रेट के समक्ष अपना परिचय कैसे दिया?

उत्तर : चंद्रशेखर गिरफ्तार कर लिए गए और उन्हें मजिस्ट्रेट के समक्ष उपस्थित किया गया। चंद्रशेखर से उनका नाम पूछा गया तो उन्होंने अपना नाम आज़ाद, पिता का नाम स्वतंत्रता और घर 'जेलखाना' बताया।

4. चंद्रशेखर को मजिस्ट्रेट ने क्या सज़ा सुनाई?

उत्तर : मजिस्ट्रेट ने अल्पायु के कारण कारागार का दंड न देकर 15 कोड़ों की सजा हुई।

5. चंद्रशेखर को गिरफ्तार के किसके समक्ष उपस्थित किया गया?

उत्तर : चंद्रशेखर को गिरफ्तार कर मजिस्ट्रेट के समक्ष उपस्थित किया गया।

Q.4 Answer the following according to the instructions given:

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर निर्देशानुसार लिखिए :

1. निम्नलिखित शब्दों से विशेषण बनाइए : [1]
   - दिन - दैनिक
   - माया - मायावी

2. निम्नलिखित शब्दों में से किसी दो शब्दों के पर्यायवाची शब्द लिखिए : [1]
   - भाग्य - किस्मत, प्रारब्ध
   - पवित्र - पावन, शुचि

3. निम्नलिखित शब्दों में से किन्हीं दो शब्दों के विपरीतार्थक शब्द लिखिए : [1]
   - साकार - निराकार
   - क्षणिक - शाश्वत
   - विस्तृत - संक्षिप्त
   - कीर्ति - अपकीर्ति

4. निम्नलिखित रिक्त स्थानों में उचित मुहावरा शब्द का प्रयोग करें : [1]

i. चार-चार रुपए में तो ये कलम <u>मिट्टी</u> के मोल बिक रहे हैं। (मिट्टी/पत्थर)

ii. जलेबियों को देखकर रामनारायण के <u>मुँह</u> में पानी भर आया। (आँख/मुँह)

5. भाववाचक संज्ञा बनाइए। [1]

- एक - एकता
- उड़ना - उड़ान

6. कोष्ठक में दिए गए निर्देशानुसार वाक्यों में परिवर्तन कीजिए : [3]

1. उसे अपने धर्म का अंग समझो। ('आप' का उपयोग कीजिए।)
   उत्तर : आप उसे अपने धर्म का अंग समझिए।
2. इन फूलों का रंग कितना निराला है। (वचन बदलिए।)
   उत्तर : इस फूल का रंग कितना निराला है।
3. शिवाजी महाराज के साहस की <u>तुलना नहीं की जा सकती</u>। (रेखांकित शब्दों के स्थान पर एक शब्द का प्रयोग कीजिए।)
   उत्तर : शिवाजी महाराज का साहस अतुलनीय है।

SECTION - B (40 Marks)

Attempt four questions from this section.

You must answer at least **one** question from each of **two** books you have studied and any **two** other questions.

साहित्य सागर

गद्य

Q.5 Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow:

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए :

बेनी माधव बाहर से आ रहे थे। दोनों भाईयों को गले मिलते देखकर आनंद से पुलकित हो गए और बोल उठे, बड़े घर की बेटियाँ ऐसी ही होती हैं। बिगड़ता हुआ काम बना लेती हैं।"

पाठ - बड़े घर की बेटी
लेखक - प्रेमचंद

1. आनंदी की शिकायत का क्या परिणाम हुआ? [2]
   उत्तर : आनंदी का अपने देवर के साथ दाल में घी न डालने पर झगड़ा हो गया था और गुस्से में उसके देवर ने आनंदी पर खड़ाऊँ फेंककर दे मारी थी। आनंदी ने इस बात की शिकायत जब अपने पति श्रीकंठ से की तो वह गुस्से से आग-बबूला हो गया और पिता के सामने जाकर घर से अलग होने की बात कह डाली।

2. आनंदी को अपनी बात का पछतावा क्यों हुआ? [2]
   उत्तर : आनंदी ने गुस्से में आकर अपने पति से शिकायत तो कर दी परंतु दयालु व संस्कारी स्वभाव की होने के कारण मन-ही-मन अपनी बात पर पछताने भी लगती है कि क्यों उसने अपने पर काबू नहीं रखा और व्यर्थ में घर में इतना बड़ा उपद्रव खड़ा कर दिया।

3. बेनी माधव ने ने आनंदी को बड़े घर की बेटी क्यों कहा? [3]
   उत्तर : आनंदी का देवर जब घर छोड़कर जाने लगा तो स्वयं आनंदी ने आगे बढ़कर अपने देवर को रोक लिया और अपने किए पर पश्चाताप करने लगी। आनंदी ने अपने अपमान को भूलकर दोनों भाईयों में सुलह करवा दी थी। अत: बिगड़े हुए काम को बना देने के कारण बेनी माधव ने आनंदी को बड़े घर की बेटी कहा।

4. 'बड़े घर की बेटी' कहानी का उद्देश्य स्पष्ट करें। [3]
   उत्तर : इस कहानी के माध्यम से लेखक ने स्पष्ट किया है कि किसी भी घर में पारिवारिक शांति और सामंजस्य बनाए रखने में घर की स्त्रियों की अहम् भूमिका होती है। घर की स्त्रियों अपनी समझदारी से टूटते और बिखरते परिवारों को भी जोड़ सकती है।

साथ की लेखक ने संयुक्त परिवारों की उपयोगिता को भी इस कहानी के माध्यम से सिद्ध किया है।

Q.6 Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow:
निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए तथा उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए :
"तुमसे अपराध होगा? यह क्या कह रही हो? मैं रोता हूँ, इसमें मेरी ही भूल है। प्रायश्चित करने का यह ढंग नहीं, यह मैं धीरे-धीरे समझ रहा हूँ, किंतु करूँ क्या? यह मन नहीं मानता।"

पाठ - संदेह

लेखक - जयशंकर प्रसाद

1. उपर्युक्त अवतरण के वक्ता तथा श्रोता का परिचय दें। [2]

उत्तर : उपर्युक्त अवतरण की वक्ता श्यामा एक विधवा, समझदार और चरित्रवान महिला है।

श्रोता रामनिहाल है। जो कि श्रोता के यहाँ ही रहता है।

2. श्रोता के वक्ता के बारे में क्या विचार हैं? [2]

उत्तर : श्रोता अर्थात् रामनिहाल के वक्ता श्यामा के बारे में बड़े उच्च विचार है।

रामनिहाल श्यामा के स्वभाव से अभिभूत है। वह जिस प्रकार से अपने वैधव्य का जीवन जी रही है। वह रामनिहाल की नज़र में काबिले तारीफ़ है। वह श्यामा की सहृदयता और मानवता के कारण उसे अपना शुभ चिंतक, मित्र और रक्षक समझता है।

3. क्या वाकई में वक्ता से कोई अपराध हो गया था? [3]

उत्तर : नहीं, वक्ता से कोई अपराध नहीं हुआ था।

रामनिहाल अपना सामान बांधें लगातार रोये जा रहा था। अत: वक्ता यह जानना चाह रही थी कि कहीं उससे तो कोई भूल नहीं हो गई जिसके कारण रामनिहाल इस तरह से रोये जा रहा था।

4. रामनिहाल के रोने का कारण क्या है? [3]

उत्तर : रामनिहाल को लगता है कि उससे कोई बड़ी भूल हो गई है और जिसका उसे प्रायश्चित करना पड़ेगा और इसी भूल के संदर्भ में वह रो रहा है।

Q 7 Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow:

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए :

पर बतलाने वालों ने बताया कि गरीब के मुँह पर छाती, मुट्ठियों और पैरों पर बर्फ की हल्की-सी चादर चिपक गई थी, मानो दुनिया की बेहयाई ढँकने के लिए प्रकृति ने शव के लिए सफ़ेद और ठंडे कफ़न का प्रबंध कर दिया था।

पाठ - अपना अपना भाग्य

लेखक - जैनेंद्र कुमार

1. यहाँ पर गरीब किसे और क्यों संबोधित किया गया है? [2]

उत्तर : यहाँ पर गरीब उस पहाड़ी बालक को संबोधित किया गया, जो कल रात ठंड के कारण मर गया था। उस बालक के कई भाई-बहन थे। पिता के पास कोई काम न था घर में हमेशा भूख पसरी रहती थी इसलिए वह बालक घर से भाग आया था यहाँ आकर भी दिनभर काम के बाद जूठा खाना और एक रूपया ही नसीब होता था।

2. लड़के की मृत्यु का क्या कारण था? [2]

उत्तर : लड़का अपनी घर की गरीबी से तंग आकर काम की तलाश में नैनीताल भाग कर आया था। यहाँ पर आकर उसे एक दुकान में काम मिल गया था परंतु किसी कारणवश उसका काम छूट जाता है

और उसके पास रहने की कोई जगह नहीं रहती है। उस दिन बहुत अधिक ठंड थी और उसके पास कपड़ों के नाम पर एक फटी कमीज थी इसी कारण उसे रात सड़क के किनारे एक पेड़ के नीचे बितानी पड़ी और अत्यधिक ठंड होने के कारण उस लड़के की मृत्यु हो गई।

3. 'दुनिया की बेहयाई ढँकने के लिए प्रकृति ने शव के लिए सफ़ेद और ठंडे कफ़न का प्रबंध कर दिया था' - इस पंक्ति का आशय स्पष्ट कीजिए। [3]

उत्तर : प्रस्तुत पंक्ति का आशय सामान्य जनमानस की संवेदन-शून्यता और स्वार्थ भावना से है। एक पहाड़ी बालक गरीबी के कारण ठंड से ठिठुरकर मर जाता है। परंतु प्रकृति ने उसके तन पर बर्फ की हल्की चादर बिछाकर मानो उसके लिए कफ़न का इंतजाम कर दिया। जिसे देखकर ऐसा लगता था मानो प्रकृति मनुष्य की बेहयाई को ढँक रही हो।

4. 'अपना अपना भाग्य' कहानी के उद्देश्य पर विचार कीजिए। [3]

उत्तर : प्रस्तुत कहानी का उद्देश्य आज के समाज में व्याप्त स्वार्थपरता, संवेदनशून्यता और आर्थिक विषमता को उजागर करना है। आज के समाज में परोपकारिता का अभाव हो गया है। निर्धन की सहायता करने की अपेक्षा सब उसे अपना-अपना भाग्य कहकर मुक्ति पा लेते हैं। हर कोई अपनी सामजिक जिम्मेदारी से बचना चाहता है। किसी को अन्य के दुःख से कुछ लेना-देना नहीं होता।

साहित्य सागर

पद्य

Q.8 Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow:
निम्नलिखित पद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए :

कलेजा माँ का, मैं संतान
करेगी दोषों पर अभिमान।

मातृ-वेदी पर हुई पुकार,
चढ़ा दो मुझको, हे भगवान।।
सुनूँगी माता की आवाज़
रहूँगी मरने को तैयार
कभी भी उस वेदी पर देव,
न होने दूँगी अत्याचार।
न होने दूँगी अत्याचार
चलो, मैं हो जाऊँ बलिदान।
मातृ-मंदिर में हुई पुकार, चढ़ा दो मुझको हे भगवान।

कविता - मातृ मंदिर की ओर
कवि - सुभद्रा कुमारी चौहान

1. 'कलेजा माँ का, मैं संतान करेगी दोषों पर अभिमान।' - का आशय स्पष्ट कीजिए। [2]

उत्तर : कवयित्री कहती है कि माँ का हृदय उदार होता है वह अपने संतान के दोषों पर ध्यान नहीं देती। उसे अपने संतान पर गर्व होता है।

2. कवयित्री किसके लिए तैयार है? [2]

उत्तर : कवयित्री अपनी मातृभूमि के लिए मरने के लिए तैयार है।

3. कवयित्री किस पथ पर बढ़ना चाहती है? [3]

उत्तर : कवयित्री मातृभूमि की रक्षा में बलिदान के पथ पर बढ़ना चाहती है।

4. शब्दार्थ लिखिए : [3]

- अत्याचार - जुल्म
- मातृ-मंदिर - माता का मंदिर
- बलिदान - कुर्बानी
- संतान - औलाद

- पुकार - बुलाना
- अभिमान - गर्व

Q.9 Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow :
निम्नलिखित पद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए :

मैं पूर्णता की खोज में
दर-दर भटकता ही रहा
प्रत्येक पग पर कुछ न कुछ
रोडा अटकता ही रहा
निराशा क्यों मुझे?
जीवन इसी का नाम है,
चलना हमारा काम है।
साथ में चलते रहे
कुछ बीच ही से फिर गए
गति न जीवन की रूकी
जो गिर गए सो गिर गए
रहे हर दम,
उसी की सफलता अभिराम है,
चलना हमारा काम है।

कविता - चलना हमारा काम है
कवि - शिवमंगल सिंह 'सुमन'

1. प्रस्तुत कविता में कवि दर-दर क्यों भटकता है? [2]
उत्तर : प्रस्तुत कविता में कवि पूर्णता की चाह रखता है और इसी पूर्णता को पाने के लिए वह दर-दर भटकता है।

2. 'जीवन इसी का नाम है से क्या तात्पर्य है? [2]

उत्तर : जीवन इसी का नाम से तात्पर्य आगे बढ़ने में आने वाली रुकावटों से है। कवि के अनुसार इस जीवन रूपी पथ पर आगे बढ़ते हुए हमें अनेक कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है परंतु हमें निराश या थककर नहीं बैठना चाहिए। जीवन पथ पर आगे बढ़ते हुए बाधाओं का आना स्वाभाविक है क्योंकि जीवन इसी का नाम होता है जब हम इन बाधाओं को पार कर आगे बढ़ते हैं।

3. जो गिर गए सो गिर गए रहे हर दम, उसी की सफलता अभिराम है,चलना हमारा काम है।' पंक्ति का आशय स्पष्ट करें। [3]

उत्तर : उपर्युक्त पंक्ति का आशय निरंतर गतिशीलता से है। जीवन के पड़ाव में कई मोड़ आते हैं, कई साथी मिलते है, कुछ साथ चलते हैं तो कुछ बिछड़ भी जाते हैं। पर इसका यह अर्थ नहीं कि जीवन थम जाए जो भी कारण हो लेकिन जीवन को अबाध गति से चलते ही रहना चाहिए।

4. शब्दार्थ लिखिए : [3]

- रोड़ा - बाधा
- निराशा - दुःख
- अभिराम - सुंदर
- गति - चाल, रफ़्तार
- जीवन - जिंदगी
- निराशा - आशा का अभाव

Q.10 Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow :
निम्नलिखित पद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए :

रहिए लटपट काटि दिन, बरु घामे माँ सोय।
छाँह न बाकी बैठिये, जो तरु पतरो होय॥
जो तरु पतरो होय, एक दिन धोखा देहैं।
जा दिन बहै बयारि, टूटि तब जर से जैहैं॥

कह गिरिधर कविराय छाँह मोटे की गहिए।
पाती सब झरि जायँ, तऊ छाया में रहिए॥

पानी बाढ़ै नाव में, घर में बाढ़े दाम।
दोऊ हाथ उलीचिए, यही सयानो काम॥
यही सयानो काम, राम को सुमिरन कीजै।
पर-स्वारथ के काज, शीश आगे धर दीजै॥
कह गिरिधर कविराय, बड़ेन की याही बानी।
चलिए चाल सुचाल, राखिए अपना पानी॥

राजा के दरबार में, जैये समया पाय।
साँई तहाँ न बैठिये, जहँ कोउ देय उठाय॥
जहँ कोउ देय उठाय, बोल अनबोले रहिए।
हँसिये नहीं हहाय, बात पूछे ते कहिए॥
कह गिरिधर कविराय समय सों कीजै काजा।
अति आतुर नहिं होय, बहुरि अनखैहैं राजा॥

कविता - गिरिधर की कुंडलियाँ
कवि - गिरिघर कविराय

1. कैसे पेड़ की छाया में रहना चाहिए और कैसे पेड़ की छाया में नहीं? [2]

उत्तर : कवि के अनुसार हमें हमें सदैव मोटे और पुराने पेड़ों की छाया में आराम करना चाहिए क्योंकि उसके पत्ते झड़ जाने के बावज़ूद भी वह हमें शीतल छाया प्रदान करते हैं। हमें पतले पेड़ की छाया में कभी नहीं बैठना चाहिए क्योंकि वह आँधी-तूफ़ान के आने पर टूट कर हमें नुकसान पहुँचा सकते हैं।

2. 'पानी बाढ़ै नाव में, घर में बाढ़े दाम। दोऊ हाथ उलीचिए, यही सयानो काम॥' - पंक्ति का आशय स्पष्ट कीजिए। [2]

उत्तर : उपर्युक्त पंक्ति का आशय यह है कि जिस प्रकार नाव में पानी भरने से नाव डूबने का खतरा बढ़ जाता है। ऐसी स्थिति में हम दोनों हाथ से नाव का पानी बाहर फेंकने लगते है। ठीक वैसे ही घर में धन बढ़ जाने पर हमें दोनों हाथों से दान करना चाहिए।

3. कवि कैसे स्थान पर न बैठने की सलाह देते हैं? [3]

उत्तर : कवि हमें किसी स्थान पर सोच समझकर बैठने की सलाह देते है वे कहते है कि हमें ऐसे स्थान पर नहीं बैठना चाहिए जहाँ से किसी के द्वारा उठाए जाने का अंदेशा हो।

4. शब्दार्थ लिखिए : [3]

- बयारि - हवा
- घाम - धूप
- जर - जड़
- दाय - रुपया-पैसा
- राजा - नृप, नरेश
- तरु - वृक्ष, पेड़

एकांकी संचय

Q.11 Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow:

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए :

दूर हट दासी। यह नाटक बहुत देख चुका हूँ। उदयसिंह की हत्या ही तो मेरे राजसिंहासन की सीढ़ी होगी।

एकांकी - दीपदान

लेखक - डॉ. रामकुमार वर्मा

1. उपर्युक्त वाक्य का प्रसंग स्पष्ट करें। [2]

उत्तर : उपर्युक्त वाक्य बनवीर धाय पन्ना से कहता है जब वह कुँवर को मारने जाता है और पन्ना उन्हें रोकने का प्रयास करती है। पन्ना उसे कहती है कि मैं कुँवर को लेकर संन्यासिनी बन जाऊँगी, तुम ताज रख लो कुँवर के प्राण बक्श दो।

2. पन्ना ने कुँवर को सुरक्षित स्थान पर किस तरह पहुँचाया? [2]

उत्तर : पन्ना धाय को जैसे ही बनवीर के षडयंत्र का पता चला वैसे ही पन्ना ने सोये हुए कुँवर को कीरत के जूठे पत्तलों के टोकरे में सुलाकर सुरक्षित स्थान पर पहुँचा दिया।

3. पन्ना ने क्या बलिदान दिया? [3]

उत्तर : पन्ना ने कुँवर को कीरत के जूठे पत्तलों के टोकरे में सुलाकर सुरक्षित स्थान पर पहुँचाया। उसके बाद कुँवर के स्थान पर अपने पुत्र चंदन को सुला दिया और उसका मुँह कपड़े से ढँक दिया। जब बलवीर कुँवर को मारने आया उसने चंदन को कुँवर समझकर मार डाला। इस प्रकार पन्ना ने देशधर्म के लिए अपनी ममता की बलि चढ़ा दी।

4. प्रस्तुत एकांकी का सार लिखिए। [3]

उत्तर : महाराणा साँगा की मृत्यु के बाद उनका पुत्र राज सिंहासन का उत्तराधिकारी था परंतु उनकी आयु मात्र 14 वर्ष होने के कारण महाराणा साँगा के भाई पृथ्वीराज के दासी पुत्र बनवीर को राज्य की देखभाल के लिए नियुक्त किया गया। धीरे-धीरे वह राज्य हड़पने की योजना बनाने लगा।

पन्ना धाय स्वर्गीय महाराणा साँगा की स्वामिभक्त सेविका है। वह कर्तव्यनिष्ठ तथा आदर्श भारतीय नारी है। वह हमेशा कुँवर की सुरक्षा का ध्यान रखती है। सोना पन्ना धाय को अपनी देशभक्ति और कर्तव्यनिष्ठा छोड़कर बनवीर के साथ मिल जाने की सलाह दे रही है। परंतु वह नहीं मानती।

बनवीर ने दीपदान उत्सव का आयोजन किया। उसने सोचा प्रजाजन दीपदान उत्सव के नाचगाने में मग्न होगे तब कुँवर उदय सिंह को मारकर वह सत्ता हासिल कर सकता है। तभी किसी ने पन्ना को यह खबर दी और पन्ना ने कुँवर को कीरत के जूठे पत्तलों के टोकरे में सुलाकर सुरक्षित स्थान पर पहुँचाया। उसके बाद कुँवर के स्थान पर अपने पुत्र चंदन को सुला दिया और उसका मुँह कपड़े से ढँक दिया। जब बलवीर कुँवर को मारने आया उसने चंदन को कुँवर समझकर मार डाला। इस प्रकार पन्ना ने देशधर्म के लिए अपनी ममता की बलि चढ़ा दी।

Q.12 Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow:
निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए :

"दहेज़ देना तो दूर, बारात की खातिर भी ठीक से नहीं की गई। मेरे नाम पर जो धब्बा लगा, मेरी शान में जो ठेस पहुँची, भरी बिरादरी में जो हँसी हुई, उस करारी चोट का घाव आज भी हरा है। जाओ, कह देना अपनी माँ से कि अगर बेटी को विदा कराना चाहती है तो पहले उस घाव के लिए मरहम भेजे।"

एकांकी - बहू की विदा
लेखक - विनोद रस्तोगी

1. प्रस्तुत कथन किसने, किससे कहा? संदर्भ सहित उत्तर लिखिए। [2]

   उत्तर : प्रस्तुत कथन जीवनलाल ने प्रमोद से कहा है। प्रमोद अपनी बहन को विदा करवाने आया है परंतु जीवनलाल बहू की विदा इसलिए नहीं करना चाहते क्योंकि विवाह में प्रमोद में उन्हें मुँह माँगा दहेज़ नहीं दिया।

2. 'मरहम' का क्या अर्थ है? यहाँ मरहम से क्या तात्पर्य है? स्पष्ट कीजिए। [2]

उत्तर : यहाँ पर 'घाव के लिए मरहम भेजने' का आशय दहेज से है। जीवन लाल शादी में कम दहेज मिलने के घाव को पाँच हजार रूपी मरहम देकर दूर करने कहते हैं।

3. वक्ता के चरित्र की विशेषताएँ लिखिए। [3]

उत्तर : यहाँ वक्ता जीवन लाल है। जीवन लाल अत्यंत लोभी, लालची और असंवेदनशील व्यक्ति है। वह अपनी बहू की विदा इसलिए नहीं करना चाहता क्योंकि दहेज़ में उसे मुँहमाँगे रुपये नहीं मिले। उसे पैसों का भी बहुत घमंड है और अपनी तारीफ़ खुद ही करते हुए कहता है कि उसने अपनी बेटी का विवाह बड़े धूमधाम से किया।

4. प्रस्तुत एकांकी में किस समस्या को उठाया गया है? उस समस्या को दूर करने के लिए क्या-क्या कदम उठाए जा रहे हैं? अपने विचार दीजिए। [3]

उत्तर : प्रस्तुत एकांकी में दहेज़ की समस्या को उठाया गया है। दहेज़ प्रथा को रोकने के लिए सरकार द्वारा कई कानून बनाए गए हैं इसकी शिकायत मिलने पर कड़ा जुर्माना और करावास का प्रावधान है। लड़कियाँ आज शिक्षित और आत्म-निर्भर होने के कारण स्वयं दहेज लेने वाले परिवार को ठुकराया रही है आज अंतर्जातीय विवाह होने लगे हैं जिसमें लड़का और लड़की समान विचार धारा के होने के कारण दहेज के लिए कोई स्थान ही नहीं बचता है।

Q.13 Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow:

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए :

कह नहीं सकता संजय किसके पापों का परिणाम है, किसकी भूल थी जिसका भीषण विष फल हमें मिला। ओह ! क्या पुत्र-मोह अपराध है, पाप है? क्या मैंने कभी भी...कभी भी..

एकांकी - महाभारत की एक साँझ

लेखक - भारत भूषण अग्रवाल

1. उपर्युक्त अवतरण के वक्ता कौन है? उनका परिचय दें। [2]

उत्तर : उपर्युक्त अवतरण के वक्ता धृतराष्ट्र हैं। धृतराष्ट्र जन्म से ही नेत्रहीन थे। वे कौरवों के पिता हैं। दुर्योधन उनका जेष्ठ पुत्र हैं। इस समय वे अपने मंत्री संजय के सामने अपनी व्यथा को प्रकट कर रहे हैं।

2. यहाँ पर श्रोता कौन है? वह वक्ता को क्या सलाह देता है और क्यों? [2]

उत्तर : यहाँ पर श्रोता धृतराष्ट्र का मंत्री है। उन्हें दिव्य दृष्टि प्राप्त थी। अपनी दिव्य दृष्टि की सहायता से वे धृतराष्ट्र को महाभारत के युद्ध का वर्णन बताते रहते हैं। इस समय वे धृतराष्ट्र को शांत रहने की सलाह देते हैं। संजय के अनुसार जो हो चुका है उस पर शोक करना व्यर्थ है।

3. यहाँ पर भीषण विष फल किस ओर संकेत करता है स्पष्ट कीजिए। [3]

उत्तर : यहाँ पर धृतराष्ट्र के अति पुत्र-मोह से उपजे महाभारत के युद्ध की ओर संकेत किया गया है। पुत्र-स्नेह के कारण दुर्योधन की हर अनुचित माँगों और हरकतों को धृतराष्ट्र ने उचित माना।
धृतराष्ट्र ने पुत्र-मोह में बड़ों की सलाह, राजनैतिक कर्तव्य आदि सबको नकारते हुए अपने पुत्र को सबसे अहम् स्थान दिया और जिसकी परिणिति महाभारत के भीषण युद्ध में हुई।

4. पुत्र-मोह से क्या तात्पर्य है? [3]

उत्तर : पुत्र-मोह से यहाँ तात्पर्य अंधे प्रेम से है। धृतराष्ट्र अपने जेष्ठ पुत्र दुर्योधन से अंधा प्रेम करते थे इसलिए वे उसकी जायज नाजायज सभी माँगों को पूरा करते थे। इसी कारणवश दुर्योधन बचपन से दंभी और अहंकारी होता गया।

नया रास्ता

(सुषमा अग्रवाल)

Q.14. Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow:

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए :

तभी बारात में आए एक नवयुवक ने उसकी आवाज की प्रशंसा करते हुए कहा, “आपकी आवाज बहुत मधुर है, क्या सुंदर गीत सुनाया है आपने।” मीनू ने जैसे ही सिर उठाकर ऊपर की ओर देखा, तो वह आश्चर्यचकित हो उठी। अरे ! ये तो वही लड़का है अमित है। जो मेरठ उसे देखने आया था। उसके मुँह से अपनी प्रशंसा सुनने के बाद उसके हृदय में कोई प्रसन्नता की अनुभूति नहीं हुई।

1. नवयुवक कौन है? [2]

   उत्तर : नवयुवक अमित है। ये वही है जो कुछ दिनों पहले मीनू देखने के लिए आया था और उसका रिश्ता यह कहकर ठुकराया था कि उन्हें मीनू के बदले उसकी छोटी बहन पसंद आ गई थी।

2. मीनू उस नवयुवक को देखकर क्यों चौंक गई? [2]

   उत्तर : मीनू अपने सामने अमित को देखकर चौंक गई। मीनू ने यह कल्पना नहीं की थी कि किसी दिन अमित से उसका सामना इस तरह होगा।

3. मीनू अपनी प्रशंसा सुनकर खुश क्यों नहीं हुई? [3]

   उत्तर : अमित ने जब मीनू की प्रशंसा की तो वह खुश नहीं हुई क्योंकि अमित वही लड़का था जिसने कुछ दिनों पूर्व उसका रिश्ता ठुकराया था।

4. उसकी भावनाओं को ठेस पहुँचाई - स्पष्ट कीजिए। [3]

उत्तर : यहाँ पर अमित ने मीनू जैसी गुणी लड़की का रिश्ता ठुकराकर उसकी भावनाओं को ठेस पहुँचाई थी। मीनू पढ़ी-लिखी गुणी लड़की थी परंतु अमित के माता-पिता ने अमीर लड़की का रिश्ता आने के कारण उसके रिश्ते को यह कहकर ठुकराया कि उन्हें मीनू के बदले उसकी छोटी बहन पसंद आई है जबकि वास्तव में वे धनीमल की बेटी सरिता से अमित का विवाह करवाना चाहते थे।

Q.15. Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow:

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए :

तभी नीलिमा ने मीनू को शादी के बारे में पूछ लिया, "मीनू, तू शादी नहीं कर रही है अभी? मैंने सुना है आशा का रिश्ता हो गया है।"

"हाँ नीलिमा! आशा का रिश्ता हो गया है। लड़का इंजीनियर है। घर भी अच्छा है।"

"पर मीनू, तू शादी के लिए तैयार क्यों नहीं है?" "नीलिमा ने पूछा।

"नीलिमा, अब मैं कुछ निराश सी हो गई हूँ। कौन करेगा मुझसे शादी?"

1. नीलिमा कौन है? वह मीनू को राय क्यों दे रही है? [2]

उत्तर : नीलिमा मीनू की हमउम्र और उसकी अभिन्न मित्र है। वह मीनू को विवाह करने की सलाह दे रही है। नीलिमा को जब पता चलता है कि मीनू की छोटी बहन का रिश्ता तय हो गया है और मीनू ने शादी न करने का निर्णय लिया है तो उसे विवाह समय पर करने की राय देती है।

2. शादी के नाम से मीनू उदास क्यों हो जाती है? [2]

उत्तर : मीनू का रिश्ता कई बार साधारण रंग-रूप होने के कारण ठुकराया जा चुका है इसलिए जब उसकी सहेली नीलिमा उसकी शादी के विषय में पूछताछ करती है तो वह उदास हो जाती है।

3. नीलिमा उसकी शादी के लिए उत्साहित क्यों है? [3]

उत्तर : नीलिमा और मीनू हमउम्र सहेलियाँ हैं। नीलिमा की शादी हो चुकी है और वह चाहती है कि उसकी सहेली मीनू का भी विवाह हो जाय इसलिए वह उसकी शादी के लिए उत्साहित है।

4. "कौन करेगा मुझसे शादी?" भाव स्पष्ट कीजिए। [3]

उत्तर : यहाँ पर नीलिमा के प्रश्न के उत्तर में मीनू के मुँह से यह उद्गार निकलते हैं। मीनू का रिश्ता बहुत बार ठुकराया जा चुका था उसे अब अपने विवाह की कोई उम्मीद नहीं बची थी ऐसे में अपनी सहेली के इस प्रश्न से वह निराश हो जाती है और कहती है कि अब कौन उसके साथ शादी करेगा।

Q.16 Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow :

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए :

दूसरे दिन प्रात: होते ही दयाराम जी के घर में मेहमानों के स्वागत के लिए विभिन्न प्रकार की तैयारियाँ प्रारंभ हो गई थीं। घर की सारी चीजें झाड़-पोंछकर यथा-स्थान लगा दी गई थीं। एक मध्यम श्रेणी की हैसियत के अनुसार बैठक को विशेष रूप से सुसज्जित किया गया।

1. प्रस्तुत पंक्तियों में कौन किसके घर आ रहा है? [2]

उत्तर : प्रस्तुत पंक्तियों में दयाराम जी के घर उनकी बेटी मीनू को देखने मेरठ से मायाराम जी का परिवार आ रहा है।

2. आनेवाले मेहमान को विशेष महत्त्व क्यों दिया जा रहा है? [2]

उत्तर : दयाराम जी की बेटी मीनू साँवली होने के कारण अभी तक उसे कोई पसंद नहीं कर पाया था लेकिन मेरठ वालों को उसकी फोटो पसंद आ गई थी। अत: सभी को लगता था कि इस बार मीनू का

रिश्ता हो ही जाएगा इसीलिए आने वाले मेहमान को महत्त्व दिया जा रहा था।

3. "विभिन्न प्रकार की तैयारियाँ...." विशिष्ट संदर्भ में स्पष्ट कीजिए। [3]

उत्तर : यहाँ पर भी दयाराम जी बेटी मीनू को देखने के संदर्भ में विभिन्न प्रकार की तैयारियाँ का उल्लेख किया गया है।

आज भी हमारे यहाँ लड़की वालों के यहाँ रिश्ता लेकर आना उत्सव से कम नहीं होता इसलिए वे अपनी तरफ़ से कोई कसर नहीं छोड़ते हैं। अपनी हैसियत के मुताबिक या उससे भी बढ़ चढ़ कर मेहमानों को खुश करने का प्रयास करते हैं।

4. आनेवाले मेहमान से परिवार के लोगों को क्या उम्मीद है? [3]

उत्तर : अभी तक मीनू के रंग-रूप के कारण उसका कहीं रिश्ता नहीं हो पाया था परंतु इस बार मेरठ में रहने वाले मायाराम जी के परिवार वालों को मीनू का फोटो पसंद आ गया था अत: परिवार वालों को इस बार पूरी उम्मीद थी कि इस बार मीनू का रिश्ता पक्का हो ही जाएगा।